तृतीय सेमेस्टर				
क्र0 सं0	कोर्स का नाम	कोर्स कोड	अंक	श्रेयांक
3	गायन - रागों और तालों का अध्ययन III	एम0पी0ए0एम0वी0 - 602	100	2
	इकाई 1 - जाति गायन, राग गायन एवं राग के लक्षण; सारणा चतुष्टयी का विस्तृत अध्ययन।			
	इकाई 2 - प्रबन्ध का विस्तृत अध्ययन एवं प्रबन्ध की ध्रुपद व ख्याल से तुलना।			
	इकाई 3 - पाठ्यक्रम के रागों का पूर्ण वर्णन, तुलना एवं स्वर समूह द्वारा राग पहचानना।			
	इकाई 4 - पाठ्यक्रम के रागों की बन्दिशों (विलम्बित ख्याल, मध्यलय ख्याल, तान, तराना आदि) को लिपिबद्ध करना।			
	इकाई 5 - पाठ्यक्रम के रागों मे ध्रुपद एवं धमार को लयकारी(दुगुन, तिगुन व चौगुन) सहित लिपिबद्ध करना।			
	इकाई 6 - पाठ्यक्रम की तालों का परिचय व तालों के ठेकों को लयकारी (दुगुन, तिगुन, चौगुन, आड़, कुआड़ व बिआड़) सहित लिपिबद्ध करना।			

नोट - विद्यार्थी तृतीय सेमेस्टर के पाठ्यक्रम के अन्तर्गत रखे गए रागों व तालों के अनुरूप अध्ययन करें।

तृतीय सेमेस्ट र

राग - मियाँ की तोड़ी, गान्धारी, गुजरी तोड़ी, मियाँ मल्हार, दरबारी कान्हड़ा, भीमपलासी व मेघ मल्हार
ताल - पंचमसवारी, दीपचन्दी, तीवरा व शिखर ताल

सहायक/उपयोगी पाठ्य सामग्री -

1.वसन्त, संगीत विशारद, संगीत कार्यालय, हाथरस, उ0 प्र0 ।
2. श्रीमती शान्ति गोवर्धन, संगीत शास्त्र दर्पण ।
3. डॉ0 लक्ष्मीदनारायण गर्ग,राग विशारद(दोनों भाग), संगीत कार्यालय, हाथरस, उ0 प्र0 ।
4. पं0 विष्णु नारायण भातखण्डे, भातखण्डे क्रमिक पुस्तक मालिका (सभी भाग), संगीत कार्यालय, हाथरस, उ0 प्र0 ।
5. श्री विनायक राव पटवर्धन, राग विज्ञान(दोनों भाग)।